अध्याय - 5

कोष्टा समुदाय के सामान्य लक्षण

"प्रस्तुत अध्याय में कोष्टा समुदाय के सामान्य लक्षण के अंतर्गत बुनकरों की पारिवारिक वृत्त शिक्षा, आवास, वार्षिक आय, कार्यदशायें एवं सामाजिक-आर्थिक स्थिति का संक्षिप्त अध्ययन सम्मिलित है और इस शोध अध्ययन के लिए जांजगीर- चांपा एवं रायगढ़ क्षेत्र में कार्यरत 300 बुनकरों का चयन प्रतिदर्श के आधार पर किया गया है ।"

उत्तरदाता की आयु

प्रतिदर्श बुनकरों से सर्वेक्षण में मिली जानकारी के अनुसार उत्तरदाताओं की आयु संरचना निम्नानुसार है :-

सारिणी क्रमांक - 2

(उत्तरदाताओं की आयु संरचना)

आयु समुह	प्रतिदर्श बुनकर ईकाइयों की संख्या	प्रतिशत
20 - 25	22	7.33
25 - 30	24	8
30 - 35	55	18.33
35 - 40	35	11.67
40 - 45	60	20
45 - 50	65	21.67
50 - 55	25	8.33
55 - 60	14	4.67
योग	300	100

सारिणी क्रमांक 2 के अध्ययन से पता चलता है कि 30 से 50 वर्ष के आयु वाले बुनकरों की संख्या सबसे ज्यादा 72% है । उसके बाद 20 से 30 वर्ष के आयु वर्ग की 15% तथा सबसे कम 50 से 60 वर्ष की आयु वर्ग की 13% है । इससे ऐसा प्रतीत होता है कि अधिक उम्र वाले बुनकर अपनी जिम्मेदारियों को युवा वर्ग को देकर खुद परिवार के अन्य काम

में ज्यादा रुचि लेते हैं ताकि परिवार की आमदनी बढ़ायी जा सके । साथ ही साथ अध्ययन से यह भी पता चलता है कि ज्यादातर बुनकर स्वांस एवं आँख की बीमारियों से एक खास उम्र के बाद प्रभावित हो जाते हैं ।

कोष्टा बुनकरों में बाल श्रमिकों की संख्या कम है और अध्ययन पता चलता है कि 14 से 15 वर्ष के बच्चे अपनी शिक्षा को अधूरी छोड़कर पारिवारिक व्यवसाय के तरफ ध्यान देने लगते हैं । इसके लिए उन्हें अपने परिवार एवं समाज दोनों से बढ़ावा मिलता है ।

पारिवारिक वृत्त

सर्वेक्षण से ज्ञात प्रतिदर्श बुनकरों की पारिवारिक वृन्त निम्नांकित है :-

सारिणी क्रमांक - 3

(बुनकरों की पारिवारिक वृत्त एवं बुनाई कार्य में संलग्न सदस्यों की संख्या)

परिवार के सदस्यों की संख्या	प्रतिदर्श बुनकर परिवार की संख्या	कुल सदस्यों की संख्या	बुनाई कार्य में संलग्न सदस्यों की संख्या
03	23	69	60
04	32	128	92
05	35	175	110
06	37	222	122
07	31	217	170
08	43	344	242
09	36	324	214
10	16	160	108
11	17	187	116
12	13	156	99
13	07	91	67
14	05	70	52
15	01	15	10
16	03	48	40
17	01	17	14
योग	300	2223	1516

सारिणी क्र.3 के अध्ययन से पता चलता है कि बुनकर परिवार की औसत संख्या 07 है। कुल 300 प्रतिदर्श बुनकर परिवार में कुल सदस्यों की संख्या 2223 है जिसमें से 1516 (68%) सदस्य बुनाई कार्य में संलग्न है। 03 से 05 सदस्य संख्या वाले लघु परिवार में 90 प्रतिदर्श बुनकर परिवार की कुल सदस्य संख्या 372 है जिसमें से 262 (70%) सदस्य बुनाई कार्य में संलग्न हैं। इसी प्रकार अध्ययन यह भी प्रदिर्शत करता है कि 06 से 09 सदस्यीय मध्यम परिवार वाले 147 प्रतिदर्श बुनकर परिवार में कुल सदस्य संख्या 1107 है जिसमें से 748 (68%) और 10 से 17 सदस्यीय बड़े परिवार वाले 63 प्रतिदर्श बुनकर परिवार में कुल सदस्य संख्या 744 है जिसमें से 506 (68%) सदस्य बुनकरी कार्य में लगे हुए हैं। इस अध्ययन से यह भी स्पष्ट होता है कि बुनकरों का सम्मिलित परिवार धीरे-धीरे लघु एवं मध्यम परिवार का रुप लेता जा रहा है।

पारिवारिक सदस्यों का लिंगानुपात

सर्वेक्षण से ज्ञात प्रतिदर्श इकाई 300 मे से कुल सदस्य संख्या 2223 का लिंगानुपात निम्नानुसार है :-

सारिणी क्रमांक - 4

(बुनकर परिवार का लिंगानुपात)

क्र.	लिंग	आवृत्ति	प्रतिशत
01	पुरूष	1234	55.5
02	महिला	989	44.5
	योग :-	2223	100

अध्ययन क्षेत्र के बुनकर परिवार में महिलाओं की अपेक्षा पुरूषों का अनुपात सर्वाधिक है।

शिक्षा की स्थिति

न्यादर्श ईकाई 300 में बुनकर उत्तरदाताओं की शैक्षणिक स्तर निम्नानुसार है :-

सारिणी क्रमांक - 5

(बुनकर उत्तरदाताओं की शैक्षणिक स्तर)

क्र.	शैक्षणिक स्तर	आवृत्ति	प्रतिशत
1	प्राथमिक	110	36.67
2	पूर्व माध्यमिक	54	18
3	माध्यमिक	38	12.67
4	उच्चत्तर माध्यमिक	23	7.67
5	स्नातक एवं उच्च योग्यता	05	1.66
6	अशिक्षित	70	23.33
	योग :-	300	100

तालिका 5 के अध्ययन से ज्ञात होता है कि शिक्षा के क्षेत्र में कुल 300 प्रतिदर्श बुनकरो में से 202 (67%) बुनकर प्राथमिक से माध्यमिक तक शिक्षित हैं। इसी प्रकार 23 (8%) उच्चतर माध्यमिक तथा 05 (2%) बुनकर स्नातक एवं उच्च योग्यता धारित हैं जबकि 70 (23%) बुनकर उत्तरदाता पूर्णतः अशिक्षित हैं। अतः यह कहा जा सकता है कि अध्ययन क्षेत्र के बुनकर अशिक्षित के साथ-साथ कम पढ़े लिखे हैं और उच्च शिक्षा प्राप्त बुनकरों की संख्या अत्यंत ही कम है।

आवास की स्थिति

प्रस्तुत अध्ययन में क्षेत्र के कोष्टा (बुनकर) समुदाय के आवासीय स्थिति का आंकलन कच्चा आवास एवं पक्का आवास के आधार पर किया गया है। कच्चा आवास से आशय उस मकान से लिया गया है जिसका दीवाल मिट्टी का हो एवं छत खप्पर का बना हो तथा पक्का आवास से आशय उस मकान से लिया गया है जिसका दीवाल पत्थर - ईटों से बना हो, फर्श एवं छत सीमेंट का हो।

सर्वे से ज्ञात न्यादर्श बुनकरों में आवास की स्थिति निम्नानुसार है :-

सारिणी - 6

(आवास की स्थिति)

क्रमांक	आवास की प्रकृति	आवृति	प्रतिशत
1	कच्चा	190	63.33
2	पक्का	110	36.67
	योग :-	300	100

तालिका 6 के अध्ययन से ज्ञात होता है कि कुल 300 प्रतिदर्श बुनकरों में से 190 (63%) बुनकर का आवास कच्चा है और 110 (37%) बुनकर का आवास पक्का है। इससे प्रतीत होता है कि अध्ययन क्षेत्र के कोष्टा समुदाय का एक बड़ा हिस्सा कच्चे आवास में रहने के लिए मजबूर है।

वार्षिक आय

अध्ययन क्षेत्र के कोष्टा समुदाय का वार्षिक आय का विवेचन बुनाई से प्राप्त आय तथा अन्य स्त्रोतों से प्राप्त आय पर आधारित है जिसे तालिका में निम्नानुसार स्पष्ट किया गया है।

सारिणी क्रमांक - 7

(कोष्टा समुदाय की वार्षिक आय)

आय वर्ग (रू. में)	बुनाई से आय प्राप्त इकाई की संख्या	प्रतिदर्श आवृत्ति का प्रतिशत	अन्य स्त्रोत से आय प्राप्त इकाई की संख्या	प्रतिशत
10000 - 12000	125	41.67	75	46.87
12000 - 14000	70	23.33	42	26.25
14000 - 16000	40	13.33	25	15.63
16000 - 18000	25	8.33	12	7.5
18000 - 20000	12	4	06	3.75
20000 - 22000	10	3.33	-	-
22000 - 24000	7	2.33	-	-
24000 - 26000	6	2	-	-
26000 - 28000	5	1.67	-	-
योग :-	300	100	160	100

सर्वेक्षण के दौरान कोष्टा समुदाय की वार्षिक आय की जानकारी कुल 300 प्रतिदर्श बुनकरों से प्राप्त की गई जिसके अनुसार न्यूनतम 10000 रु. से अधिकतम 28000 रु. के मध्य बुनकरों का वार्षिक आय होना पाया गया। उसमें 195 (65%) प्रतिदर्श बुनकरों की आय 10000 रु. से 14000 रु., 65 (22%) बुनकर की आय 14000 रु. से 18000रू., 19 (7%) बुनकर की आय 18000 रु. से 22000 रु. एवं 18 (6%) बुनकरों की आय 22000 रु. से 28000 रु. के मध्य है ।

अध्ययन के आकड़ें यह भी प्रदर्शित करते हैं कि क्षेत्र के 73% बुनकर, बुनाई कार्य के अलावा अन्य स्त्रोत से भी आय प्राप्त करते हैं और ऐसे बुनकरों की बुनाई से वार्षिक आय 10000 रु. से 14000 रु. के मध्य होना पाया गया है । इसी तरह 14000 रु. से 20000 रु. के मध्य आय प्राप्त करने वाले 27% बुनकर भी अन्य स्त्रोत से आय प्राप्त करते हैं जबकि 18000 रु. से 28000 रू. आय वाले बुनकर परिवार की निर्भरता दूसरे व्यवसाय पर नगण्य है ।

कार्यदशाएं

कोष्टा समुदाय के कार्यदशाएं का अध्ययन में यह जानने का प्रयास किया गया है कि उनकी बुनाई कार्य में भौतिक एवं मनोवैज्ञानिक दशाएं कैसी है !

अ - भौतिक दशाएं :-

बुनाई कार्य में बुनकरों के कार्य के भौतिक दशाएं में कार्य के घंटे, कार्य अवधि के मध्य अराम, कार्य -स्थल का तापमान, सफाई व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था एवं वायु संचार व्यवस्था के बारे में सर्वेक्षण के दौरान बुनकरों से प्रत्यक्ष बातचीत कर जानकारी प्राप्त की गई। सर्वेक्षण से ज्ञात हुआ कि बुनकर अपने बुनाई कार्य हेतु समय का निर्धारण स्वयं करते है। प्रत्यक्ष चर्चा एवं साक्षात्कार अनुसूची के आंकड़ों के मुताबिक बुनकरों के प्रति दिवस कार्य के औसत घंटे लगभग 10.5 है। बुनकर परिवार कार्य अवधि के मध्य दैनिक दिनचर्या जैसे नहाने- खाने सोने के समय ही अधिकतर बुनाई कार्य को बंद रखते हैं। इसके अतिरिक्त प्रायः वे कार्य अवधि के मध्य अराम नहीं करते। बुनकरों के कार्य स्थल का तापमान अधिक रहना पाया गया है। इसी प्रकार उनके कार्य स्थल में सफाई व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था एवं वायु संचार व्यवस्था के अध्ययन में यह ज्ञात हुआ कि 35% प्रतिदर्श इकाई उक्त व्यवस्था को सामान्य बतलाये हैं। जबकि 17 % इकाई को उत्तम पाया गया एवं शेष 48% इकाई सामान्य से नीचे खराब एवं असुविधाजनक बतलाये हैं।

सारिणी क्रमांक - 8

(बुनकरों के प्रति दिवस कार्य के घंटे)

कार्य के घंटे	प्रतिदर्श बुनकर की संख्या	प्रतिशत
7	23	8
8	30	10
9	38	13
10	72	24
11	79	26
12	33	11
13	25	8
योग :-	300	100

सारिणी क्र. 8 के अध्ययन से पता चलता है कि प्रति दिवस 11 घण्टे कार्य करने वाले बुनकरों की संख्या सबसे ज्यादा 79% (26%) है। इसी प्रकार प्रतिदिवस कार्य के घण्टे एवं बुनकरों की संख्या क्रमशः 10 घण्टे 72 (24%), 9 घण्टे 38 (13%), 12 घण्टे 33 (11%), 8 घण्टे 30 (10%), 13 घण्टे 25 (8.33%) एवं सबसे कम 7 घण्टे 23 (7.6 7%) बुनकरों की संख्या है।

ब - मनोवैज्ञानिक दशाएं

बुनकर समुदाय में कार्य के मनोवैज्ञानिक दशाएं का प्रभाव उनके बुनाई व्यवसाय पर पड़ता है। मनोवैज्ञानिक दशाओं के अध्ययन के लिए प्रतिदर्श इकाई के बुनकरों से सर्वेक्षण के समय जो जानकारी प्राप्त हुई उनमें महाजनों का व्यवहार, बुनकरों में आपसी समनवय एवं आवश्यकताओं की पूर्ति प्रमुख है। अर्थात अध्ययन क्षेत्र के महाजनों के व्यवहार को प्रतिदर्श इकाई 17% ने उत्तम, 30% ने समान्य एवं 53% ने खराब बतलाया है। क्षेत्र के अधिकांश बुनकरों में आपसी समन्वय को उचित एवं आवश्यक बतलाने एवं 38% प्रतिदर्श इकाई में व्यवसाय को सुरक्षित कहा है। तथा 62% इकाई ने अपने व्यवसाय को असुरक्षित कहा है। इसी प्रकार अपने बुनाई कार्य हेतु बुनकर अपने आवश्यकता की पूर्ति महाजन एवं रिश्तेदार से करना बतलाये

हैं। सर्वेक्षण से ज्ञात हुआ है कि महाजन बुनकर, बुनकरों को प्रलोभन -देकर बुनाई कार्य करवाते हैं एवं बाद में दिये गए प्रलोभन से इंकार कर देते हैं। इस बात की पुष्टि अधिकांश प्रतिदर्श बुनकरों ने चर्चा में की है।

सामाजिक-आर्थिक स्थिति

किसी भी व्यक्ति वर्ग या समुदाय का मुल्यांकन उसकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति से आम तौर पर किया जाता है, यदि किसी वर्ग व्यक्ति या समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थिति अच्छी है तो वह समाज में अधिक मान सम्मान व प्रतिष्ठा प्राप्त करता है। इसके प्रतिकुल स्थिति होने पर वह हेय का पात्र मात्र रह जाता है।

सर्वेक्षण से जानकारी मिली है कि अध्ययन क्षेत्र के कोष्टा समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। प्रतिदर्श बुनकरों में बातचीत में यह जानकारी दी कि पहले व्यवसाय में प्रतिस्वर्धा नहीं थी। फलस्वरूप उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी थी कि न्तु वर्तमान में कड़ी प्रतिस्पर्धा के युग में उनकी परंपरागत व्यवसाय को आघात पहुंचा है।

रायगढ़ क्षेत्रीय बुनकर (कोष्टा) समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थिति के बारे में निम्नानुसार जानकारी प्राप्त हुई है -

सारिणी क्रमांक - 9

(कोष्टा समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थिति)

क्रमांक	सामाजिक-आर्थिक स्थिति	प्रतिदर्श इकाई	प्रतिशत
1	अच्छी	65	21.67
2	साधारण	38	12.66
3	दयनीय	197	65.67
	योग :-	300	100

सारणी क्रमांक - 10

(कोष्टा समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थिति के बारे में विचार)

क्र.	वर्तमान सामाजिक-आर्थिक स्थिति	इकाई	प्रतिशत
1	पहले से सुधार हुआ	37	12.33
2	दयनीय स्थिति	128	42.67
3	स्थिर (न सुधार हुआ न दयनीय)	135	45
	योगः-	300	100

तालिका क्र. 10 के अध्ययन से पता चलता है कि सर्वाधिक 135 (45%) बुनकरों ने अपने समुदाय के वर्तमान सामाजिक - आर्थिक स्थिति को स्थिर (न सुधार हुआ न दयनीय)रहने के बारे में विचार व्यक्त किया है । इसी प्रकार 128 (43%) बुनकर दयनीय स्थिति बतलाते हैं जबकि सबसे कम 37 (12%) बुनकर अपने सामाजिक - आर्थिक स्थिति में पहले से सुधार हुआ है कहते हैं ।

फिर भी, सर्वे आंकड़े के विवेचन से कहा जा सकता है कि अध्ययन क्षेत्र के कोष्टा समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थिति स्थिर है अर्थात् न तो उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार आ पाया और न ही उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति दयनीय है । साथ ही कोष्टा समुदाय के कुछ बुनकर परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति अच्छी है । इसके अलावा अध्ययन क्षेत्र के भ्रमण एवं बुनाई व्यवसाय में संलग्न कुछ परिवार से प्रत्यक्ष भेंट में ज्ञात हुआ है कि उनकी सामाजिक आर्थिक स्थिति अत्यंत ऊंचे दर्जे के हैं हालांकि इस श्रेणी के बुनकर परिवार अत्यल्प है ।

---000---